POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A. III (Hons.), Paper V

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College
Tajpur, Samastipur

व्यवहारवादी दृष्टिकोण

व्यवहारवादी दृष्टिकोण एक महत्वपूर्ण उपागम है। द्वितीय विश्वयुद्ध के उपरांत लोक प्रशासन व्यवहारवादी दृष्टिकोण का प्रयोग किया जाना प्रारंभ हुआ। हर्बर्ट साइमन, बीनर, स्टोक्स, रिग्स आदि लेखक ने लोक प्रशासन के अध्ययन में व्यवहारवादी दृष्टिकोण अपनाया। वैज्ञानिक होने के लिए निर्णय निर्माण प्रक्रिया में मूल्यों को किनारे कर तथ्यों पर ध्यान केंद्रित करने वाले हर्बर्ट साइमन का चिन्तन, औद्योगिक श्रमिकों की समस्याओं पर एल्टन मेयो के अध्ययन और प्रसिद्ध हाथोर्न अध्ययन लोक प्रशासन में व्यवहारवादी दृष्टिकोण के प्रचलन के प्रमुख उदाहरण हैं।

व्यवहारवादी दृष्टिकोण के समर्थक लोक प्रशासन में व्यक्तिगत एवं सामूहिक प्रशासनिक एवं मानवीय व्यवहार के अध्ययन पर बल देते हैं। व्यवहारवादी उपागम लोक प्रशासन के अध्ययन हेतु प्रयुक्त परंपरागत उपागमों के विरुद्ध एक प्रतिक्रिया है। यह एक ऐसा उपागम है जिसका उद्देश्य लोक प्रशासन को आधुनिक, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र में विकसित सिद्धांतों के निकट लाना है।